राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), उ0प्र0

सर्जना

मई 2025 | अंक: 16

निदेशक सूडा ने किया लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण

नवागत निदेशक सूडा श्रीमती प्रेरणा शर्मा ने दिनांक 26 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत निर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि उक्त प्रोजेक्ट में जो भी काम अभी तक पूर्ण नहीं हो पाएं हैं, उनको त्वरित गति से पूरा कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द उनके आवासों पर कब्जा दिलाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अवध विहार योजना में लाइट हाउस प्रोजेक्ट निर्मित है। नवीनतम तकनीकी स्टे-इन प्लेस-फायरवक्स सिस्टम विद-पीईबी स्ट्रक्चर पर आधारित एलएचपी के निर्माण की जिम्मेदारी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी को दी गई थी। एलएचपी में कुल 1,040 फ्लैटों का निर्माण किया गया है। लेकिन कतिपय कारणों के चलते एलएचपी का निर्माण करने वाली कंपनी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी द्वारा अभी भी कुछ फ्लैटों की फिनिशिंग का कार्य पूरा नहीं किया गया था, जिससे आवंटियों को उनके घरों का कब्जा नहीं मिल पा रहा था। इसके साथ ही आवंटियों के द्वारा लिफ्ट से संबंधित समस्याओं की शिकायत भी आई थी। जिसके बाद निदेशक सूडा ने स्वयं आज एलएचपी का निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण कार्यक्रम में निदेशक सूडा ने अपूर्ण कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया तथा इस विषय में निर्माण संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल-जवाब भी किए। निर्माण संस्था के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सभी अपूर्ण कार्य निश्चित समय अवधि में पूरे किए जाए।

निदेशक सूडा ने इस दौरान कहा कि निर्माण संस्था जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी के द्वारा तय समय सीमा में उक्त सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। इस बाबत निर्माण संस्था को निर्देशित करते हुए निदेशक सूडा ने कहा कि सोमवार तक संस्था के द्वारा टाइम चार्ट के साथ अपना प्लान उपलब्ध कराया जाए।

निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों से मुलाकात भी की तथा उनकी समस्याओं के विषय में जाना। उन्होंने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराया जाएगा।

लाइट हाउस प्रोजेक्ट में निदेशक सूडा द्वारा किए इस निरीक्षण में कार्यक्रम अधिकारी सूडा श्री अतुल सिंह चौहान, परियोजना अधिकारी डूडा लखनऊ श्री चंद्रकांत त्रिपाठी, नर्माण संस्था जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री वीरल तन्ना तथा प्रोजेक्ट इंचार्ज श्री अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

अमृत मित्र योजना ने दिलाई विशिष्ट पहचान

डे-एनयूएलएम के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर एक ओर जहां महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तो वहीं दूसरी ओर लीक से हटकर कुछ नया काम करके महिलाएं समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रहीं है। कुछ ऐसी ही कहानी है रायबरेली के एफएसटीपी में काम करने वाली महिलाओं की। फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की अमृत मित्र योजना के अंतर्गत संचालन की जिम्मेदारी श्रीमती पूनम त्रिपाठी, श्रीमती शान्ती मिश्रा, श्रीमती सपना श्रीवास्तव एवं श्रीमती अनीता साहू की टीम उठा रही है। इनमें पूनम त्रिपाठी सुपरवाइजर हैं व अन्य तीनों महिलाएं उनकी सहायक हैं।

पूनम बताती हैं कि वह पूर्व में अपने घर में अचार व मुरब्बा बनाने का काम करती थीं। लेकिन इस काम को अकेले करने में उनकी आमदनी न के बराबर होती थी। फिर कुछ समय पश्चात पूनम को स्थानीय डूडा के अधिकारियों के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की जानकारी प्राप्त होने पर दस अन्य महिलाओं के साथ अंशिका स्वयं सहायता समूह गठित किया। अब समूह में कार्य करने के कारण उनकी आमदनी पहले से बेहतर हो गई। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सहयोग मिलने लगा। जिससे उनके उत्पाद की स्थानीय स्तर पहचान भी बन गई। इस बीच पूनम त्रिपाठी को डूडा के माध्यम से ज्ञात हुआ कि अमृत मित्र योजना के संचालन हेतु स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से आवेदन मांगा गया है तो उन्होंने भी आवेदन कर दिया। साक्षात्कार के बाद पूनम त्रिपाठी का चयन सुपरवाइजर के पद पर हो गया। पूनम त्रिपाठी के साथ ही तीन अमृत मित्रों श्रीमती शान्ती मिश्रा, श्रीमती सपना श्रीवास्तव एवं श्रीमती अनीता साहू का भी चयन हुआ। इस प्लांट में काम कर रही महिलाओं की सफलता की कहानी लगभग एक जैसी ही है। वर्तमान समय में प्लान्ट पर आ रहे प्रतिदिन 5 से 6 स्लज टैंकर को इनलेट एवं स्क्रीन चैम्बर में खाली किया जाता है। जिसके बाद स्लज 2-3 दिन के लिये थिकनिंग चैम्बर में रहता है। जिसके बाद पॉलीइलेक्ट्रोलाइट केमिकल को डालकर पानी एवं सूखे खाद को अलग किया जाता है। जिसके उपरान्त सूखा खाद ड्राइन्ग बेड पर सूखने के लिये ले जाया जाता है जो जैविक खाद रूप में तैयार होता है। तथा पानी को इक्यूलाइजेशन टैंक में 7 से 8 दिन के लिये रखा जाता है जिसके बाद एनएरोबिक बी फिल्टर चैम्बर में जाता है जिसे पॉलिसिंग टैंक में भेजकर दोबारा से सिंचाई के काम में लाया जाता है। अब तक उक्त टीम द्वारा जैविक खाद का निर्माण किया जा रहा है।

पीएमएवाई-यू ने बदल दी मेरी जिंदगी: ममता देवी

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी हम जैसे गरीबों के लिए वरदान से कम नहीं है। पीएमएवाई-यू ने आज मुझे पक्का घर देने के साथ ही रोजगार का अवसर भी प्रदान किया है। लेकिन वर्ष 2018 से पहले तक के हालात ऐसे नहीं थे। दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहद करने वाले हमारे परिवार के पास सिर छुपाने के लिए छत तक नहीं थी। चार बच्चों, पति व सास के साथ बस मैं अपनी जिंदगी के दिन काट रही थी। बेटियों के बड़े होने के साथ ही मुझे उनकी सुरक्षा की भी चिंता लगी रहती थी। हालत यह थी कि शौच के लिए मुझे व मेरी बेटियों को बाहर जाना पड़ता था। लेकिन मैं चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रही थी। पति मजदूरी करते थे। उससे दो वक्त की रोटी ही बमुश्किल मिल पाती थी। पैसों की कमी के चलते मुझे अपनी बड़ी बेटी की पढ़ाई भी बीच में रोकनी पड़ी।

लेकिन साल 2018 मेरी जिंदगी को पूरी तरह से बदलकर रख देने वाला वर्ष साबित हुआ। मुझे आज भी याद है, जब मैंने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के विषय में लोगों से सुना। मुझे पहली बार में यकीन ही नहीं हुआ कि सरकार ऐसी भी योजना गरीबों के लिए चला सकती है। फिर भी मैंने योजना के लिए फॉर्म भर दिया। कुछ समय पश्चात जब मुझे स्थानीय अधिकारियों के द्वारा ज्ञात हुआ कि मुझे मेरा पक्का घर मिल गया है तो मैं यकीन ही नहीं कर पाई। लेकिन आज मेरा अपने घर का सपना सच हो गया है। मेरे घर में शौचालय, रसोई घर, बिजली, पीने का स्वच्छ पानी जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं हैं। अब मेरे पति ने मजदूरी करने का काम छोड़ दिया है। हम घर में संगमरमर के पत्थरों से छोटे-छोटे ताजमहल बनाने का काम कर रहे हैं। इससे हमारी आमदनी अच्छी हो गई है। घर के ही एक कमरे में हमने पत्थर को तराशन के लिए मशीन भी लगा ली है। जिससे हमारी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। जिससे हमारी आय अब बीस हजार से लेकर बाइस हजार रुपए महीने की हो गई है। हमारे बच्चे अच्छे स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और हम जल्द ही अपनी बड़ी बेटी की शादी इसी घर से करेंगे।

मेरा काम बना मेरी पहचान: बीना देवी

शहरी बेरोजगारी के उन्मूलन तथा महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए विभाग की ओर से कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर महिलाएं आज समाज में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो रही हैं। डे-एनयूएलएम के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। जनपद मऊ की निवासी श्रीमती बीना देवी के जीवन में परिवर्तन लाने में स्वयं सहायता समूह किस तरह से मददगार साबित हुआ आइए जानते हैं उन्हीं की जुबानी। बीना देवी कहती हैं कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक उन्नति का सशक्त माध्यम बने हैं। योजना के अंतर्गत माधुरी स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया और आज हम अपनी एसएचजी के बैनर तले नमकीन, पापड़ आदि बनाने का काम कर रहे हैं। जिससे हमारी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई हैं।

सोशल मीडिया

SUDA (UTTAR PRADESH)
@SUDA_UP

आज, निदेशक सूडा @anilpathakias की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, पीएम स्वनिधि, मलिन बस्ती एवं डे-एनयूएलएम के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

Translate post

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),...
@PMAYU_UP

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी लाखों चेहरों पर मुस्कान लाने में सफल साबित हुई है। कच्चे घरों में अपना जीवन व्यतीत करने वाले परिवारों के चेहरों पर प्रसन्नता की चमक उनके सपने पूरे होने की कहानी बयां कर रही है।

Translate post

DAY-NULM UTTAR PRADESH
@nulmup

डे-एनयूएलएम योजना शहरी गरीबों के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित कर रही है।

योजना के घटक 'स्वरोजगार' के अंतर्गत व्यक्तिगत ऋण वितरण में अग्रणीय है उत्तर प्रदेश।

#DAYNULM #SEPI #SEPG #UPSUDA #SUDA #EmpoweringIndia #EmpoweringwithDAYNULM

Translate post

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),...
@PMAYU_UP

पीएमएवाई-यू के माध्यम से मिले आवास गरीबी से निकलने की पहली सीढ़ी साबित हुए हैं। दुर्बल आय वर्ग के लोगों को मिले पक्के आवास उनकी समृद्धि व सम्मान के द्योतक हैं।

Translate post

राष्ट्रीय सहारा संडे

लाइट हाउस के अधूरे काम से आवंटियों को कब्जे का इंतजार

निदेशक सूडा ने लाइट हाउस प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

लखनऊ (एसएनबी)। नवागत निदेशक सूडा प्रेरणा शर्मा ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि उक्त प्रोजेक्ट में जो भी काम अभी तक पूर्ण नहीं हो पाएं है, उनको त्वरित गति से पूरा कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द उनके आवासों पर कब्जा दिलाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अवध विहार योजना में लाइट हाउस प्रोजेक्ट निर्मित है। नवीनतम तकनीकी स्टे-इन प्लेस-फायरवर्क्स सिस्टम विद-पीईबी स्ट्रक्चर पर आधारित एलएचपी के निर्माण की जिम्मेदारी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी को दी गई थी। एलएचपी में कुल 1040 फ्लैटों का निर्माण किया गया है। लेकिन कतिपय कारणों के चलते एलएचपी का निर्माण करने वाली कंपनी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी की ओर से अभी भी कुछ फ्लैटों की फिनिशिंग का कार्य पूरा नहीं किया गया था, जिससे आवंटियों को उनके घरों का कब्जा नहीं मिल पा रहा था। इसके साथ ही आवंटियों की ओर से लिफ्ट से संबंधित समस्याओं की शिकायत भी आई थी। जिसके बाद निदेशक सूडा ने स्वयं आज एलएचपी का निरीक्षण किया।

उक्त निरीक्षण कार्यक्रम में निदेशक सूडा ने अपूर्ण कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया तथा इस विषय में निर्माण संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल-जवाब भी किए। निदेशक सूडा ने निर्माण संस्था के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सभी अपूर्ण कार्य निश्चित समय अवधि में पूरे किए जाएं। इस बाबत निर्माण संस्था को निर्देशित करते हुए निदेशक सूडा ने कहा कि सोमवार तक संस्था के द्वारा टाइम चार्ट के साथ अपना प्लान उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों से मुलाकात भी की तथा उनकी समस्याओं के विषय में जाना। निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराया जाएगा। निरीक्षण में कार्यक्रम अधिकारी सूडा अतुल सिंह चौहान, परियोजना अधिकारी डूडा लखनऊ, चंद्रकांत त्रिपाठी, निर्माण संस्था जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी के प्रोजेक्ट मैनेजर कौशल तथा तथा प्रोजेक्ट इंचार्ज अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

निदेशक सूडा ने किया लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण

भास्कर ब्यूरो

लखनऊ। नवागत निदेशक सूडा प्रेरणा शर्मा ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि उक्त प्रोजेक्ट में जो भी काम अभी तक पूर्ण नहीं हो पाए हैं, उनको त्वरित गति से पूरा कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द उनके आवासों पर कब्जा दिलाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत अवध विहार योजना में लाइट हाउस प्रोजेक्ट निर्मित है। नवीनतम तकनीकी स्टे-इन प्लेस-फायरवर्क्स सिस्टम विद-पीईबी स्ट्रक्चर पर आधारित एलएचपी के निर्माण की जिम्मेदारी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी को दी गई थी। एलएचपी में कुल 1040 फ्लैटों का निर्माण किया गया है। लेकिन कतिपय कारणों के चलते एलएचपी का निर्माण करने वाली कंपनी जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी द्वारा अभी भी कुछ फ्लैटों की फिनिशिंग का कार्य पूरा नहीं किया गया था, जिससे आवंटियों को उनके घरों का कब्जा नहीं मिल पा रहा था। इसके साथ ही आवंटियों के द्वारा लिफ्ट से संबंधित समस्याओं की शिकायत भी आई थी। जिसके बाद निदेशक सूडा ने स्वयं एलएचपी का निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण कार्यक्रम में निदेशक सूडा ने अपूर्ण कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया तथा इस विषय में निर्माण संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल-जवाब भी किए। निदेशक सूडा ने निर्माण संस्था के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सभी अपूर्ण कार्य निश्चित समय अवधि में पूरे किए जाएं। इस बाबत निर्माण संस्था को निर्देशित करते हुए निदेशक सूडा ने कहा कि सोमवार तक संस्था के द्वारा टाइम चार्ट के साथ अपना प्लान उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों से मुलाकात भी की तथा उनकी समस्याओं के विषय में जाना। निदेशक सूडा ने एलएचपी में रहने वाले लाभार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराया जाएगा। लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निदेशक सूडा द्वारा किए गए निरीक्षण में कार्यक्रम अधिकारी सूडा अतुल सिंह चौहान, परियोजना अधिकारी डूडा लखनऊ, चंद्रकांत त्रिपाठी, निर्माण संस्था जैम सस्टेनबल हाउसिंग एल.एल.पी के प्रोजेक्ट मैनेजर कौशल तथा प्रोजेक्ट इंचार्ज अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

पहले चरण में 17 शहरों में खुलेंगी सामुदायिक रसोई

सूडा निदेशक ने कार्यशाला में कई प्रदेशों के फूड वेंडरों से की चर्चा

लखनऊ। प्रदेश के शहरों में गरीबों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तावित सामुदायिक रसोई के संचालन की कवायद शुरू हो गई है। बुधवार को राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) की निदेशक अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें उड़ीसा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में ऐसी रसोई के संचालकों समेत यूपी के भी होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने प्रस्तुतिकरण दिया। तय हुआ है कि पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर नगर निगम वाले 17 शहरों में सामुदायिक रसोई खोली जाएंगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से छोटे शहरों में भी इसका विस्तार किया जाएगा।

सूडा निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यशाला में शहरी गरीबों व जरूरतमंदों को पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन किफायती दरों पर उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। इसके लिए सामुदायिक रसोई के स्थापना एवं संचालन के लिए अन्य राज्यों में संचालित रसोइयों के प्रतिनिधियों एवं अन्य हितग्राहियों के साथ परामर्श किया गया। आंध्र प्रदेश में अन्ना कैंटीन के संचालक और लखनऊ में अक्षय पात्र के प्रतिनिधि विकोश मोहन ने भी प्रस्तुतीकरण दिया। ...

सूडा निदेशक अपूर्वा दुबे

दैनिक जागरण

गरीबों को सस्ता भोजन उपलब्ध कराएगी सामुदायिक रसोई

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: शहरी गरीबों व जरूरतमंदों के लिए किफायती दरों पर पौष्टिक व स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के लिए सामुदायिक रसोई की स्थापना की कसरत तेज होने जा रही है। बुधवार को सूडा भवन में आयोजित परामर्श कार्यशाला में अन्य राज्यों में संचालित रसोई के प्रतिनिधियों व अन्य हितधारकों ने अपने-अपने प्रस्तुतिकरण दिए। सूडा निदेशक अपूर्वा दुबे ने कहा कि जल्द ही कार्ययोजना तैयार कर प्रदेश में सामुदायिक रसोई की स्थापना की कार्रवाई शुरू होगी।

कार्यशाला में सूडा निदेशक ने गरीबों के लिए स्वच्छ, स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रस्तावित सामुदायिक रसोई योजना की जानकारी दी। ओडिशा में आहार योजना के नोडल अधिकारी चित्त रंजन महोना ने 169 आहार केंद्रों की स्थापना, संचालन और सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात्रि के भोजन के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मध्य प्रदेश में दीनदयाल रसोई योजना के नोडल अधिकारी दुर्गेश तिवारी ने वहां 166 स्थायी रसोई व 25 चलित फूड वैनों के संचालन की जानकारी दी।